Coal transportation charges

820. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that State Electricity Boards are defaulters in paying coal transportation charges due to Railways;

(b) if so, what are the details of the amounts due; and

(c) In what manner Government propose to collect these dues from the State Electricity Boards;

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Yes, Sir.

(b) An approximate of Rs. 187.27 crores towards freight charges was outstanding against different State Electricity Boards as on 28-2-1989.

(c) The Railways are constantly pursuing the question of early clearance of the dues with the State Electricity Boards at various levels. These efforts will continue.

रेल की पटरियों का विदेशों से आयात

821. **श्री अजीत जोगी** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि विदेशों से रेल की पटरियों का आयात किया जा रहा है ;

(ख) यदि हां, तो रेल की पटरियां किन-किन देशों से आयात की जायेंगी तथा उनमें से प्रत्येक देश से रेल की पटरियां कितनी-कितनी मात्रा में आयात किये जाने का विचार है ; और

(ग) क्या यह सभी सच है कि उनमें से एक फर्म स्वत: पटरियों का निर्माण नहीं करती और कि यह फर्म किन्हीं है दूसरी फर्मों से रेल की पटरियां खरीद कर भारतीय रेलवे को सप्लाई करेगी और यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी हां।

(ख) और (ग)

देश	आयात की जाने वाली पटरियों की मात्रा (टन में)
पोलैंड	20,000
यू०के०	40,000
फ्रांस	25,000 चैक फर्म द्वारा सप्लाई की जा रही है।
अर्जेंटीना	40,000 बैल्जियम फर्म द्वारा सप्लाई की जाएंगी।

Gearing up of shipping and port operations

822. SHRI D. B. CHANDRE GOWDA: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether according to a survey conducted by the Associated Chamber of Commerce and Industry, it has been revealed that shipping including port operations is the major bottleneck in the country's export efforts;

(b) whether his Ministry has since contemplated any action to gear up shipping and port operations to provide exporters a good deal; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT): (a) In a background paper entitled 'Export Growth" prepared

by the Associated Chambers of Commerce and Industry of India, it has been stated *inter-alia* that Shipping including Port operations is a major bottleneck in the country's export efforts. The above document does not indicate the basis on which these conclusions have been arrived at nor does it furnish any data in support of such a surmise.

(b) and (c) Govt. is making continuous efforts for bringing about improvements in port and shipping sectors to improve the country's export efforts. Some of the steps taken to gear up shipping and port operations are:

(i) Constant monitoring of performance of the Major Ports.

(ii) Committees consisting of port authorities and port users have been set up in each port to sort out various problems of the exporters at ports.

(iii) The issue of stevedoring licences has been liberalised and Port Trusts/Dock Labour Boards have also started undertaking stevedoring work, thus introducing more competition in the field.

(iv) Cargo handling and berthing facilities at ports are being improved in a phased manner.

(v) Container handling facilities are being improved by inducting modern equipment.

(vi) A new major port with modern cargo handling facilities has been developed at Nhava Sheva.

(vii) The procedure for acquisition of ships has been streamlined.

विदेशों में संस्कृत भाषा का पढ़ाया जाना

823. **श्री संतोष बागड़ोदिया :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय विश्व के कितने देशों में संस्कृत पढ़ायी जा रही है ;

(ख) कौन-कौन से देश इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं ;

(ग) अब तक कितने विश्व संस्कृत सम्मेलन आयोजित किये गये और ये सम्मेलन किन-किन स्थानों पर आयोजित किये थे ; और

(घ) आगामी विश्व संस्कृत सम्मेलन कब और कहां आयोजित किये जाने का विचार है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल०पी० साही) : (क)ऐसे देशों की संख्या से संबंधित आंकड़े जहां फिलहाल संस्कृत पढ़ायी जा रही है, नहीं रखे जाते हैं ।

(ख) नेपाल, फ्रांस, जर्मन जनवादी गणराज्य, यू०एस०एस०आर०, यू० एस० ए०, जापान, थाइलैंड, हालैंड, चेकोस्लोवालिया तथा इंडोनेशिया जैसे देश संस्कृत भाषा के अध्यापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं ।

(ग) निम्नलिखित स्थानों पर आज तक सात विश्व संस्कृत सम्मेलन आयोजित किये जा चुके हैं :-

1. दिल्ली (भारत) 1972
2. टूरिन (इटली) 1974
3. पेरिस (फ्रांस) 1976
4. वैयमर (जर्मनी) 1978
5. वाराणसी (भारत) 1981
6. फिलडेलफिया (यू०एस०ए०) 1984
7. लैडेन (हालैंड) 1987

(घ) वर्ष 1990 में वीना (आस्ट्रिया) में 8वां संस्कृत सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव है